प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

1. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखण्ड।
4. सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल।
5. अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड।
6. अपर निदेशक (प्रा.शि./मा.शि.), गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
7. अपर निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी./सीमैट।
8. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त खण्ड/उप शिक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड। **(द्वारा मु0शि0अ0)**

पत्रांक/विविध/ 1651 /संदेश/2021–22 दिनांक 07 अगस्त, 2021

विषय :– **75वें स्वाधीनता दिवस के शुभ अवसर पर सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन का संदेश प्रेषण विषयक।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक 75वें स्वाधीनता दिवस के शुभ अवसर पर सचिव, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन का विद्यालयी शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों व विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को सम्बोधित संदेश, पत्र के साथ संलग्न किया जा रहा है।

अतः मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त संदेश को अपने अधीनस्थ समस्त कार्यालयों व विद्यालयों को स्वाधीनता दिवस से पूर्व अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें ताकि स्वाधीनता दिवस (दिनांक 15 अगस्त) के शुभ अवसर पर सचिव महोदया के संदेश का विद्यालयी शिक्षा विभाग के समस्त कार्यालयों व शिक्षण संस्थाओं में वाचन किया जा सके।

संलग्न– संदेश

भवदीय,

07/08/2021

(बन्दना गर्ब्याल)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

राधिका झा, आई.ए.एस.
सचिव, विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड शासन
सचिवालय, देहरादून।

स्वाधीनता दिवस सन्देश

अपार हर्ष का विषय है कि आज हम 75वें स्वाधीनता दिवस को "आजादी का अमृत महोत्सव" के रूप में मना रहे हैं। इस पुनीत अवसर पर विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र/छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षिक अभिकर्मियों, शिक्षाधिकारियों एवं प्रदेश के समस्त सम्मानित नागरिकों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मैं सभी विद्वान शिक्षकों से अपेक्षा करती हूँ कि इस अवसर पर छात्रों को देशभक्ति की गाथाओं, शहीदों के बलिदान तथा सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हुए राष्ट्र के गौरवमयी अतीत से उन्हें आत्मसात कराएगें। विश्व के विशालतम प्रजातांत्रिक देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इस पावन पर्व पर हम संकल्प लेते हैं कि स्वतन्त्रता के लिए अमर शहीदों के संघर्ष एवं बलिदान की गौरवपूर्ण गाथाओं से प्रेरणा लेकर देश की एकता एवं अखण्डता को सुरक्षित रखने के साथ–साथ, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, ज्ञान–विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेगें।

जैसा कि आप सभी जानते हैं राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के उन्नयन के प्रति दृढ संकल्पित है। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्द्धन हमारा प्रमुख उद्देश्य है। शिक्षा की गुणवत्ता को आदर्श स्वरूप प्रदान करने एवं संसाधन विहीन/अपवंचित दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु प्रथम चरण में प्रत्येक विकासखण्ड में दो विद्यालयों को सी.बी.एस.ई. की मान्यता के आधार पर अटल उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में स्थापित किया गया है। छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास में विद्यालयों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। सामुदायिक सहभागिता से शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सकता है।

सम्प्रति कोविड–19 की वैश्विक महामारी के कारण शिक्षण संस्थाओं को अविरल रूप से संचालित किया जाना व्यवधानित हुआ है, तथापि विद्यालयों को भौतिक रूप से खोले जाने का निर्णय बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार तथा सीखने के अवरोधों को दूर करने के दृष्टिगत लिया गया है। विद्यालय के संचालन हेतु मानक प्रचालन प्रक्रिया (SOP) निर्गत की

गई है, जिसका अक्षरशः अनुपालन किया जाय। विद्यालयों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैण्ड सैनिटाइजर/थर्मल स्कैनिंग आदि का उपयोग किया जाय। समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं समस्त छात्र/छात्राओं को विधिवत् मास्क पहनने के उपरान्त ही विद्यालय/कक्षा–कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी जाय। यदि छात्र बिना मास्क के विद्यालय में उपस्थित होते हैं, तो विद्यालय ऐसे छात्र/छात्राओं के लिए मास्क की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मास्क का उचित ढंग से उपयोग किया जाय एवं कक्षाओं में बैठक व्यवस्था में सामाजिक दूरी (Social Distancing) का अनुपालन अवश्य किया जाय तथा समस्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भी जागरूक किया जाय।

कोविड महामारी के दृष्टिगत विगत शैक्षिक सत्र में औपचारिक शिक्षण अधिगम बाधित होने से बच्चों के प्रत्येक कक्षा के लिए Learning Gap होना स्वाभाविक है। शिक्षकों को छात्रों के Learning Gap को दूर करने के लिए Hybrid Mode (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) शिक्षण कार्य करने की नवाचारी पहल करनी होगी तथा छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए यथा सम्भव प्रयास करना होगा।

आप सभी से अपेक्षा है कि कोविड–19 के संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु कोविड सम्मत व्यवहार (Covid appropriate behavior) अवश्य करें।

स्वाधीनता दिवस के इस पावन अवसर पर हम सभी अपने–अपने कार्य एवं दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण की प्रगति के प्रति कृतसंकल्पित हों।

जय हिन्द, जय भारत।

(राधिका झा)
सचिव,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।